

A - 2405

B. Ed. (Second Semester)

EXAMINATION, June-2023

PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT-I

Paper-CC-202

TEACHING OF SANSKRIT

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 30

नोट— खण्ड 'अ' में दिये गये 14 प्रश्नों में से किन्हीं 11 प्रश्नों को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 100-150।

खण्ड 'ब' में दिये गये 4 प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 400-500।

खण्ड 'अ'

1. पठन कौशल के विकास पर प्रकाश डालिए।
2. लेखन कौशल क्या है ? लेखन कौशल के यांत्रिक पक्ष पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

(2)

A - 2405

3. संस्कृत भाषा शिक्षण में अनुवाद का क्या महत्व है ? अपने भावों को विचारों में व्यक्त कीजिए।
4. स्वरोच्चार विधि क्या है ? इस विधि के गुण एवं दोष बताइये।
5. संस्कृत भाषा शिक्षण हेतु कौनसी विधि सबसे उपयोगी है ? कारण सहित बताइये।
6. माध्यमिक स्तर पर पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया को समझाइये।
7. हस्तलेख कौशल व्यक्तित्व का दर्पण है। स्पष्ट कीजिए।
8. संस्कृत शिक्षण में द्रव्य श्रव्य का प्रयोग क्यों किया जाता है ? इसके महत्व, स्थान एवं तथ्य को समझाइये।
9. बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु पाठ्य सहगामी क्रियाओं का महत्व बताइये।
10. अनुवाद शिक्षण का बालकों के जीवन में क्या महत्व है ? समझाइये।
11. गद्य शिक्षण क्या है ? एवं इसकी इकाइयाँ बताइये।
12. नई शिक्षा-नीति में संस्कृत का महत्व।
13. सुनना अथवा श्रवण कौशल से आशय है ? व्यतिरेक ध्वनियाँ बताइये।
14. सस्वर वाचन एवं मौन वाचन समझाइये।

खण्ड 'ब'

1. सामाजीकरण भाषा सीखने की एक प्रक्रिया है। इसके संश्लिष्ट रूप की व्याख्या करते हुए संस्कृत भाषा की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।
2. संस्कृत शिक्षण के विभिन्न घटकों को ध्यान में रखते हुए लिखित अभिव्यक्ति को सशक्त तथा प्रभावशाली बनाने के लिये बालकों में किन कुशलताओं की अपेक्षा की जानी चाहिए।
3. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :
(क) ध्वनि साम्य विधि
(ख) प्रत्यक्ष विधि
4. पाठ योजना के सोपानों को बताइये एवं कक्षा 9 के लिये पद्य पाठ योजना बनाइये।